an>

title: Regarding granting permission to farmers to install tubewells in their fields.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान राजधानी दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई के लिए जल की समस्या से जूझ रहे किसानों की बदहाल स्थिति की ओर दिलाना चाहता हूं। ग्रामीण क्षेत्रों में फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त जल की अनुपलब्धता किसानों में भारी असन्तोष का कारण बन रही है, जिससे किसान मानसून आश्रित खेती पर निर्भर हैं, जिसमें अधिक भूमि वाले किसान सिंचाई के लिए पर्याप्त जलापूर्ति ना कर पाने के कारण सही प्रकार से खेती करने में असमर्थ हैं, जिससे फसल उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है और मुख्य रूप से अधिक भूमि वाले किसानों को भारी मात्रा में हानि पहुंच रही है। दिल्ली सरकार द्वारा किसानों की इस वास्तविक समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है तथा ट्यूबवैल, बोरिंग खनन के कार्य पर लगे प्रतिबन्ध के कारण जल संकट का निराकरण कर पाना किसानों के लिए सम्भव नहीं है। माना भूजल से डिजास्टर जैसी समस्याएं पैदा होती हैं, लेकिन दिल्ली सरकार का दायित्व बनता है कि वह एम.एल.ए., एम.पी. फंड के माध्यम से वाटर हारवैस्टिंग की व्यवस्था कम्पलसरी करने के बाद उस स्थिति को दूर करे और अगर कोई किसान अपने एक एकड़ तक या उससे अधिक भूमि जिसके पास है, कोई नलकूप लगाना चाहता है तो प्रशासन के लोग वहां जाकर पैसा ऐंठते हैं और मिलकर उसका शोषण करते हैं। जिसके कारण वह अपनी फसल और कुछ सब्जी वगैरह अपनी एक एकड़ जमीन में भी नहीं उगा पाते हैं।

मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन है कि वह दिल्ली सरकार को आदेश दे कि इस प्रकार के एक एकड़ जमीन या उससे अधिक जमीन रखने वाले व्यक्ति को नलकूप लगाने की इजाजत दी जाये, जिससे भ्रष्टाचार रुके और किसानों को उनकी भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए मौका मिले। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Ramesh Bidhuri.